

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएस

प्रकरण सं० : 6/2021

1. जयकुमार पुत्र फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।

:- वादी

ब नाम

1. फुलाराम पुत्र ननुराम उर्फ मेहरचंद जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
-मृतक
2. रोहताश पुत्र फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
3. राजवाला पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
4. केलादेवी पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
5. दर्शना पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
6. राज० सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री नरेन्द्र शर्मा एवं वकील प्रतिवादीगण श्री राममूर्ति ताखर की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सूरतपुरा के खाता सं० 85/85 के मु० न० 2 किला न० 9 ता 12, 19 व 20, मु० न० 7 किला न० 15/2, 16/2, 25/1, मु० न० 8 किला न० 11/1, 12/1, 19 ता 22, मु० न० 31 किला न० 1, 10, 11, मु० न० 32 किला न० 5/1, 6/1, 15/1, 16, 25 मु० न० 70 किला न० 16 ता 19, 21 ता 25, मु० न० 122 किला न० 19/2, 20/2, 21/2, 22/2, मु० न० 145 किला न० 1 व 2 कुल 8.1960है०, जिसमें बारानी 8.1700है०, गै० मु० रास्ता 0.0260है० व रोही चक 9 जेएसएल के खाता सं० 146/146 के मु० न० 207 के किला न० 6, 7, 14 ता 17 कुल 1.518है० बारानी खातेदारी प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है में से प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी जयकुमार व प्रतिवादी सं० 2 रोहताश को बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। चूकि प्रतिवादी सं० 3 ता 5 ने अपना हक व हिस्सा उक्त वाद भूमि में से वादी व प्रतिवादी सं० 2 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 10/08/21..... को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



सहायक (सत्यनारायण)
(फास्ट ट्रैक) भादरा

R.A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

प्रकरण सं० : 6/2021

1. जयकुमार पुत्र फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।

:- वादी

ब न अ म

1. फुलाराम पुत्र ननुराम उर्फ मेहरचंद जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा। -मृतक
2. रोहताश पुत्र फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
3. राजबाला पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
4. केलादेवी पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
5. दर्शना पुत्री फुलाराम जाति जाट निवासी सूरतपुरा त० भादरा।
6. राज० सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरूस्ती

अन्तर्गत धारा 88 राज०काश्त०अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री नरेन्द्र शर्मा : वादी

वकील श्री राममूर्ति ताखर : प्रतिवादीगण

निर्णय

दिनांक : 10/08/21



संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि रोही मौजा सूरतपुरा के खाता सं० 85/85 के मु० न० 2 किला न० 9 ता 12, 19 व 20, मु० न० 7 किला न० 15/2, 16/2, 25/1, मु० न० 8 किला न० 11/1, 12/1, 19 ता 22, मु० न० 31 किला न० 1, 10, 11, मु० न० 32 किला न० 5/1, 6/1, 15/1, 16, 25 मु० न० 70 किला न० 16 ता 19, 21 ता 25, मु० न० 122 किला न० 19/2, 20/2, 21/2, 22/2, मु० न० 145 किला न० 1 व 2 कुल 8.1960 है०, जिसमें बरानी 8.1700 है०, गै० मु० रास्ता 0.0260 है० व रोही चक 9 जेएसएल के खाता सं० 146/146 के मु० न० 207 के किला न० 6, 7, 14 ता 17 कुल 1.518 है० बरानी खातेदारी प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। जो पहले वादी के दादा ननुराम उर्फ मेहरचंद की खातेदारी हुआ करती थी। ननुराम उर्फ मेहरचंद के बाद उक्त भूमि को प्रतिवादी सं० 1 दीवानसिंह ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी वंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिरसा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुखारमत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं० 1 ता 5 द्वारा आपसी सहमती से दावा की राभी मद संख्या को स्वीकार करते हुए अपने पहचान

पत्र दस्तावेजों के साथ राजीनामा पेश किया गया। वकील वादी ने प्रतिवादी सं० 6 स्टेट की ओर से जवाब दावा पेश किया। प्रतिवादीगण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यू 1 जयकुमार पुत्र फुलाराम के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी रोही सूरतपुरा के खाता सं० 85/85 संवत 2071-74 प्रदर्श 1, जमाबंदी रोही चक 9 जेएसएल के खाता सं० 146/146 संवत 2072-75 प्रदर्श 2, दादालाई जमाबंदी भू प्रबंध विभाग चक 9 जेएसएल प्रदर्श 3, जमाबंदी खतौनी रोही सूरतपुरा खाता सं० 33 प्रदर्श 4, वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सूरतपुरा प्रदर्श 5 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादीगण के हकों पर विपरित असर पड़ता है। अतः मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादी डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने रोही सूरतपुरा के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी सूरतपुरा के खाता सं० 85/85 संवत 2071-74 प्रदर्श 1, जमाबंदी रोही चक 9 जेएसएल के खाता सं० 146/146 संवत 2072-75 प्रदर्श 2, दादालाई जमाबंदी भू प्रबंध विभाग चक 9 जेएसएल प्रदर्श 3, जमाबंदी खतौनी रोही सूरतपुरा खाता सं० 33 प्रदर्श 4, वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सूरतपुरा प्रदर्श 5 प्रदर्शित करवाये। जिसमें प्रदर्श 5 वारिस प्रमाण के अनुसार फुलाराम के दो पुत्र जयकुमार व रोहताश व तीन पुत्री राजबाला, केलादेवी व दर्शना तथा इनके अलावा कोई वारिस नहीं होना अंकित है। तथा प्रदर्श 3 से वाद भूमि पैतृक कृषि भूमि होना साबित है तथा वादी व प्रतिवादी सं० 1 ता 5 का जन्म से हक हिस्सा निहित है। चूंकि प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम की दौराने दावा मृत्यु हो चुकी है जिसकी बाबत वकील वादी ने प्रार्थना पत्र आदेश 22 नियम 4 सीपीसी व मृत्यु प्रमाण पत्र दावा संलग्न है व फुलाराम के जायज वारिसान पहले ही दावा में पक्षकारान है। प्रतिवादी सं० 3 ता 5 ने अपना हक हिस्सा उक्त वाद भूमि में से वादी व प्रतिवादी सं० 2 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैतृक सम्पत्ति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है।


कियात्मक आदेश

अतः वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा रोही मौजा सूरतपुरा के खाता सं० 85/85 के मु० न० 2 किला न० 9 ता 12, 19 व 20, मु० न० 7 किला न० 15/2, 16/2, 25/1, मु० न० 8 किला न० 11/1, 12/1, 19 ता 22, मु० न० 31 किला न० 1, 10, 11, मु० न० 32 किला न० 5/1, 6/1, 15/1, 16, 25 मु० न० 70 किला न० 16 ता 19, 21 ता 25, मु० न० 122 किला न० 19/2, 20/2, 21/2, 22/2, मु० न० 145 किला न० 1 व 2 कुल 8.1960 है०, जिसमें वारानी 8.1700 है०, गै० मु० रास्ता 0.0260 है० व रोही चक 9 जेएसएल के खाता सं० 146/146 के मु० न० 207 के किला न० 6, 7, 14 ता 17 कुल 1.518 है० वारानी खातेदारी प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है में से प्रतिवादी सं० 1 फुलाराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी जयकुमार व प्रतिवादी सं० 2 रोहताश को बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। चूंकि

प्रतिवादी सं० 3 ता 5 ने अपना हक व हिस्सा उक्त वाद भूमि में से वादी व प्रतिवादी सं० 2 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 10/08/24 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(सहायक कलेक्टर) भदरा
(फास्ट ट्रेक) R.A.S.
सहायक कलेक्टर (फास्ट-ट्रेक)
भदरा, जिला हनुमानगढ़